नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

# महाराणाप्रतापस्नातकोत्तरमहाविद्यालय

## जंगल धूसड़-गोरखपुर

मो.9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....  दिनांक 07.11.2019

# प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, में समाजशास्त्र विभाग द्वारा सामाजिक परिस्थितकी विषय पर व्याख्यान देते हुए नेशनल पी.जी. कॉलेज बड़हलगंज गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने कहा कि कही न कही समाज सामाजिक पारिस्थितिकी के जाल में ही रहता है। समाज सामाजिक सम्बन्धों का जाल है जिसके लिए समाज में अन्तः क्रिया होना जरूरी होता है जो कि आपसी जागरूकता के कारण सम्भव है। भौतिक पर्यावरण के साथ सामाजिक पर्यावरण ही सामाजिक पारिस्थितिकी है। समाज की अपनी एक संस्कृति है जो जीवन जीने की कला को प्रभावित करता है। भारत अनेकताओं में एकता का देश है। जो कि अलग–अलग क्षेत्र भाषा रीति–रिवाज–परम्परा में बटने के बावजूद भी हम एक है। जिसके अन्तर्गत सामाजिक पारिस्थितिकी का हिस्सा है। भारत गांवो का देश है जिसकी लगभग 72 प्रतिशत जनसंख्या गांवो में रहती है। लेकिन आज की सामाजिक पारिस्थितिकीय को हम कहें तो वह अभाव का देश है। सीमित इच्छाओं की पूर्ति करने वाली जगह गांव है और असीमित इच्छाओं की पूर्ति करने वाली जगह गांव है। आज वैश्वीकरण में पूरा देश एक गांव की तरह है। गांव हमारी सारी आवश्यकताओ की पूर्ति करती है जो कि लघु संस्कृती वाला क्षेत्र है। गांव आत्म निर्भर है अर्थात् अपनी सभी आवश्यकताओं की पूर्ति वहीं पर होती है। जो कि पारस्वतिकी सहयोग के द्वारा ही सम्भव है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है। कि समाज सामाजिक परिस्थिकि का हिस्सा है उक्त बातें समाज शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान ''सामाजिक परिस्थितिकी '' विषय पर नेशनल पी.जी. कालेज बडहलगंज के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने कही। इस अवसर पर महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज जंगल धूसड़, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय द्वारा उन्हें स्मृति चिन्हं एवं पुस्तकें भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री बृजभूषण लाल जी द्वारा किया। इस व्याख्यान में बी.ए. प्रथम वर्ष समाजशास्त्र एवं एम.ए. प्रथम वर्ष समाजशास्त्र के सभी छात्र/छात्राएं उपस्थित रहें।

**(डॉ. राजेश शुक्ला)**
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी